दैनिक
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999 में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 103 मुरादाबाद, 01 August 2023 (Tuesday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

ज्ञानवापी मामले पर सीएम योगी का बड़ा बयान, बोले- मस्जिद के अंदर त्रिशूल क्या कर रहा था?

सीएम योगी ने पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को दी सौगात, खातों में भेजे 51 करोड़

पीएम आवास योजना के तहत गोरखपुर में 43600 आवास स्वीकृत हैं। इसमें से 35500 आवास पूर्ण हो चुके हैं। इसमें 8400 आवास चार माह पूर्व ही स्वीकृत हुए हैं। इन सभी को प्रथम किश्त जारी कर दी गई है और निर्माण कार्य कराया जा रहा है।गोरखपुर के वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में प्रस्तावित एक समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 8450 लाभार्थियों को 51 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित किए।

वह 250 लाभार्थियों को 50 हजार रुपये की दर से प्रथम किश्त (कुल 1.25 करोड़), 2200 लाभार्थियों को 1.50 लाख रुपये की दर से दूसरी किश्त (कुल 33 करोड़) और 3350 लाभार्थियों को 50 हजार रुपये की दर से तीसरी किश्त (कुल 16.75 करोड़) की धनराशि सिंगल क्लिक से लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित किए।उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार हर किसी का पक्का मकान के सपनों को पूरा कर रही है। इसी संकल्प के साथ यूपी सरकार आगे बढ़ रही है। यूपी के भ्रष्टाचार नहीं पनपेगा। अगर कोई रुपया मांगे तो मुझसे शिकायत करें। आपको कोई परेशानी नहीं होगी। पीएम आवास योजना के तहत गोरखपुर में 43600 आवास स्वीकृत हैं। इसमें से 35500 आवास पूर्ण हो चुके हैं। इसमें 8400 आवास चार माह पूर्व ही स्वीकृत हुए हैं। इन सभी को प्रथम किश्त जारी कर दी गई है और निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जुलाई माह में जिले में 5522 आवास और स्वीकृत किए गए हैं। योजना के पोर्टल पर इनके अटैचमेंट का कार्य चल रहा है।

मुख्यमंत्री योगी एएनआई के पॉडकास्ट में ज्ञानवापी को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में बड़ा बयान दिया है। मस्जिद के अंदर त्रिशूल क्या कर रहा था।

मस्जिद कहेंगे तो विवाद होगा। दीवारें चिल्ला-चिल्लाकर क्या कह रही हैं। ज्ञानवापी मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है। सीएम योगी ने कहा कि मस्जिद के अंदर त्रिशूल क्या कर रहा था। मस्जिद कहेंगे तो फिर विवाद होगा। मुझे लगता है कि भगवान ने जिसको दृष्टि दी है वो देखे ना त्रिशूल मस्जिद के अंदर क्या कर रहा है, हमने तो नहीं रखा है ना।

ज्योर्तिलिंग है देव प्रतिमाएं हैं। दीवारें चिल्ला-चिल्लाकर क्या कह रही हैं।सीएम योगी ने कहा कि मुझे लगता है कि ये प्रस्ताव मुस्लिम समाज की तरफ से आना चाहिए कि ऐतिहासिक गलती हुई है और उस गलती के लिए हम चाहते हैं समाधान हो। दरअसल, मुख्यमंत्री योगी एएनआई के पॉडकास्ट में अपनी बात रख रहे थे। इस दौरान ज्ञानवापी को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने बड़ा बयान दिया। इस दौरान एक और अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश संविधान से चलेगा, मत और मजहब से नहीं। देखिए मैं ईश्वर का भक्त हूं, लेकिन किसी पाखंड में विश्वास नहीं करता हूं। आपका मत, आपका मजहब, अपने तरीके से होगा, अपने घर में होगा। अपनी मस्जिद, अपने इबादतगाह तक होगा। सड़क पर प्रदर्शन करने के लिए नहीं और इसको आप जो है किसी भी अन्य तरीके से दूसरे पर थोप नहीं सकते। नेशन फर्स्ट। अगर देश में किसी को रहना है तो राष्ट्र को सर्वोपरि मानना है, अपने मत और मजहब को नहीं। वहीं, ज्ञानवापी को लेकर सीएम योगी के बयान का संत समाज ने स्वागत किया है। अखिल भारतीय संत समिति महामंत्री स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती कहा कि ज्ञानवापी का संघर्ष लंबा हो चला है, मुस्लिम समाज को पहल करने की जरूरत है।

हरियाणा के मेवात में भगवा यात्रा पर पत्थरबाजी, पांच गाड़ियों को भी फूंका; कई लोग घायल

हरियाणा के मेवात में ब्रज मंडल यात्रा पर समुदाय विशेष के लोगों ने पथराव कर दिया जिससे कई लोग घायल हो गए। इस दौरान लोगों के द्वारा कई गाड़ियों में आग भी लगा दी गई। यह घटना उस दौरान हुई जब गुरुग्राम से भी सैकड़ों गाड़ियों में सवार विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता भगवान शिव का जलाभिषेक करने नल हड शिव मंदिर नूह में गए हुए थे। हरियाणा के मेवात में ब्रज मंडल यात्रा पर समुदाय विशेष के लोगों ने पथराव कर दिया, जिससे कई लोग घायल हो गए।

लोगों ने झड़प के दौरान करीब पांच गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। विश्व हिंदू परिषद का कहना है कि यात्रा पर अचानक हमला किया गया।खास बात है कि हर साल की तरह इस साल भी बृज मंडल जलाभिषेक यात्रा निकाली गई है। यात्रा में गुरुग्राम से भी सैकड़ों गाड़ियों में सवार विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता भगवान शिव का जलाभिषेक करने नल हड शिव मंदिर नूह में गए हुए थे।यात्रा जैसे ही शिव मंदिर नल हड पहुंच रही थी। उसी दौरान समुदाय विशेष से जुड़े शरारती तत्वों ने यात्रा पर पथराव शुरू कर दिया और करीब पांच गाड़ियों में भी आगजनी और तोड़फोड़ की है। हालांकि, पुलिस अभी तक इस मामले को लेकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है, लेकिन कहीं ना कहीं इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। इस हादसे में कितने लोग घायल हुए हैं, इसकी जानकारी नहीं है। अभी नूह बाईपास पर जबरजस्त पथराव है, गाड़ियों में तोड़फोड़ और आगजनी हो रही है। नलहड़ रोड और खेड़ा मोड़ के बीच बजरंग दल के कार्यकर्ता फसे हुए हैं, पुलिस गायब है और मौके पर स्तिथि तनावपूर्ण है।

'हम दखल नहीं देंगे अगर...', महिलाओं के साथ दरिंदगी मामले में बोले CJI; सुनवाई आज

सुनवाई के दौरान पीड़ित महिलाओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वह मामले को असम स्थानांतरित करने के खिलाफ हैं। वहीं, सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केस को असम स्थानांतरित करने का हमने कभी अनुरोध नहीं किया।मणिपुर में दो महिलाओं के साथ दरिंदगी से देश को शर्मसार करने वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। बता दें, शीर्ष अदालत दो महिलाओं पर भीड़ द्वारा किए गए हमले से संबंधित मामले की सुनवाई को स्थानांतरित करने के केंद्र सरकार के अनुरोध पर विचार कर रहा है। उसने इस दौरान कड़े शब्दों में कहा कि घटना को यह कहकर उचित नहीं ठहरा सकते कि ऐसा और भी कहीं हुआ है। फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई कल दोपहर 2 बजे के लिए स्थगित कर दी है। शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान पीड़ित महिलाओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि महिलाएं मामले की सीबीआई जांच और मामले को असम स्थानांतरित करने के खिलाफ हैं। सिब्बल ने आगे कहा कि पीड़ित महिलाओं में से एक के पिता और भाई की हत्या कर दी गई थी। उनके अभी तक शव नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि 18 मई को जीरो एफआईआर दर्ज की गई। जब कोर्ट ने संज्ञान लिया, तब कुछ हुआ। तो फिर हम क्या भरोसा रखें? उन्होंने कहा कि ऐसी कई घटनाएं होंगी। इसलिए हम एक ऐसी एजेंसी चाहते हैं जो मामले की जांच करने के लिए स्वतंत्र हो। सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मुकदमे को असम स्थानांतरित करने का हमने कभी अनुरोध नहीं किया। हमारी मांग यह है कि इस मामले को मणिपुर से बाहर स्थानांतरित किया जाए। महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस घटना का तो वीडियो सामने आया है, लेकिन यह एकमात्र घटना नहीं है जहां महिलाओं के साथ मारपीट या उत्पीड़न हुई है, अन्य महिलाएं भी हैं। उन्होंने कहा कि हमें महिलाओं के खिलाफ हिंसा के व्यापक मुद्दे को देखने के लिए एक तंत्र भी बनाना होगा। इस तंत्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसे सभी मामलों का ध्यान रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह दोनों पक्षों को संक्षेप में सुनेगा और फिर कार्रवाई के सही तरीके पर फैसला करेगा। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल कोई साक्ष्यात्मक रिकॉर्ड पेश नहीं किए गए हैं। सीजेआई ने कहा कि पहले याचिकाकर्ताओं को सुनते हैं उसके बाद अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल को सुना जाएगा। कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि यह स्पष्ट है कि पुलिस उन लोगों के साथ मिलकर काम कर रही थी, जिन्होंने दोनों महिलाओं के खिलाफ हिंसा की और पुलिस ने इन महिलाओं को भीड़ के पास ले जाकर छोड़ दिया और भीड़ ने वही किया जो उन्होंने किया। वहीं, सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता का कहना है कि अगर सुप्रीम कोर्ट मामले की निगरानी करेगा तो केंद्र को कोई आपत्ति नहीं है। सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने पूछा कि तीन मई को जब मणिपुर में हिंसा शुरू हुई थी, उसके बाद ऐसी कितनी एफआईआर दर्ज की गई हैं। इस पर वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने बताया कि केंद्र की स्टेटस रिपोर्ट के मुताबिक, 595 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से कितने यौन हिंसा, कितने आगजनी और हत्या से संबंधित हैं, इस पर कोई स्पष्टता नहीं है। उच्चाधिकार प्राप्त समिति हो गठित- जयसिंह ने आगे कहा कि जहां तक कानून का सवाल है, दुष्कर्म की पीड़िताएं इस बारे में बात नहीं करतीं। वे सामने नहीं आतीं। इसलिए सबसे पहले आत्मविश्वास पैदा करना जरूरी है। आज हमें नहीं पता कि अगर सीबीआई जांच शुरू कर दे तो महिलाएं सामने आ जाएंगी। उन्होंने कहा कि पुलिस की बजाय महिलाओं से घटना के बारे में बात करने में पीड़ित महिलाओं के लिए सहूलियत होगी। एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति होनी चाहिए, जिसमें नागरिक समाज की महिलाएं हों, जिनके पास इससे निपटने का अनुभव हो यह लोग हों शामिल- उन्होंने आगे कहा कि उच्चाधिकार प्राप्त समिति (हाई पावर कमेटी) में सैयदा हमीद, उमा चक्रवर्ती, रोशनी गोस्वामी आदि शामिल हो सकते हैं, ये सभी समुदाय में इस मुद्दे से जुड़े हैं। उन्हें एक रिपोर्ट बनाने दीजिए और इसे इस अदालत में लाने दीजिए। वहीं, ग्रोवर ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि राहत शिविरों की क्या स्थिति है, इस पर एक स्वतंत्र, निष्पक्ष रिपोर्ट आने दीजिए। कुकी पक्ष ने सीबीआई जांच का किया

सावन के चौथे सोमवार पर काशी का कण-कण शिवमय, बाबा विश्वनाथ के भागीरथी श्रृंगार के दर्शन

सावन के चौथे और पुरुषोत्तम मास के दूसरे सोमवार पर गंगा घाट से बाबा के धाम तक आस्थावानों की ऐसी कतार उमड़ी है कि महादेव की नगरी शिवभक्तों से बम-बम हो उठी है। गोदौलिया क्षेत्र की सड़कें, गलियां सब महादेव की भक्ति में सराबोर है।सावन के चौथे और पुरुषोत्तम मास के दूसरे सोमवार पर काशी का कण-कण शिवमय हो उठा। गोदौलिया क्षेत्र की सड़कें, गलियां सब महादेव की भक्ति में सराबोर है। उमस भरी गर्मी के बेच भक्तों की टोलियां कतारबद्ध होकर भोले के दर्शन के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रही है। पूरे मंदिर परिसर को फूल और पत्तियों से सजाया गया है। कांवड़ियों के लिए बैरिकेडिंग में रेड कार्पेट बिछाई गई है।कैथी मार्कंडेय महादेव, बीएचयू विश्वनाथ, गौरी केदारेश्वर समेत जिले के अन्य शिवालयों में भी बाबा भक्तों की भीड़ उमड़ी है। गंगा घाट से बाबा के धाम तक आस्थावानों की ऐसी कतार उमड़ी है कि महादेव की नगरी शिवभक्तों से बम-बम हो उठी। स्वर्ण शिखर वाले स्वर्णमंडित गर्भगृह में विराजमान बाबा विश्वनाथ भक्तों को झांकी दर्शन दे रहे हैं। बाबा का आज भागीरथी श्रृंगार होगा।मंगला आरती के बाद से शुरू हुआ दर्शन-पूजन का सिलसिला अनवरत जारी है। गंगा घाट से गोदौलिया चौक तक पैर रखने की जगह नहीं है। मंदिर प्रशासन से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, सुबह 10 बजे तक करीब दो लाख भक्त मंदिर में मत्था टेक चुके हैं। बाबा के दरबार में सावन के हर सोमवार को भक्तों की रिकॉर्ड संख्या औसतन पांच से छह लाख पहुंच रही है। जबकि प्रतिदिन औसतन 1.5 लाख श्रद्धालु महादेव के दर्शन कर रहे हैं।

ललिता घाट से प्रवेश बंद

सोमवार की भोर में मंगला आरती की तैयारियां शुरू हुईं तो कतारबद्ध कांवड़ियों की हलचल भी बढ़ गई। बीती रात से ही कतार में लगे श्रद्धालु चैतन्य हो उठे और हर-हर महादेव... के जयकारे से काशी की गलियां गूंज उठीं। धाम को जाने वाले रास्ते से लेकर गंगा के तट तक भक्तों की कतार लगी हुई थी। गोदौलिया से गेट नंबर चार, दशाश्वमेध से ढुंढिराज बांसफाटक, चौक से गेट नंबर चार तक की बैरिकेडिंग में श्रद्धालु और कांवड़िये हाथ में जल, फूल-माला और प्रसाद लेकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। मंगला आरती के बाद भोर में 3—45 बजे आम दर्शनार्थियों के लिए स्वर्णमंडित गर्भगृह के कपाट खुले तो चारों द्वार से भक्तों का दर्शन अभिषेक शुरू हो गया। भक्तों की एक कतार चितरंजन पार्क तो दूसरी ओर गेट नंबर चार से चौक के आगे तक लगी रही। गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण ललिता घाट से प्रवेश बंद रहा।

संपादकीय Editorial

CBI probe into Chirharan

Manipur has been burning for the last 87-88 days. There is silence in the market, houses, houses, streets. Meanwhile, the destructions that have been done, a lot of 'ashes' have been done by arson, their charred remains are the evidence. In their respective areas, students and women are also engaged in patrolling by taking guns and lighting torches respectively. The sound of the boots of the army and security forces is heard, or at some places, explosions of bullets and grenades are heard. Manipur is still turbulent and tense after almost three months.

Can't believe there were no deaths after 17th July! However, the decision of the Central Government to conduct a CBI inquiry is a step in the right direction. Stripping of two women, parading them naked, gang-raping a 21-year-old girl, video of the incident going viral, nationwide anger and angry remarks by the Chief Justice of the country, Justice Chandrachud, are widespread developments, which need to be delved into. The Government of India has sought permission from the Supreme Court to conduct the entire trial of the Chirharan case in Assam, instead of Manipur. In the current situation, it is futile to expect a fair and transparent investigation from the Manipur administration.

The people of Manipur have lost faith in the state government itself. Disillusionment is over.

In such a situation, CBI inquiry was the only option, but that too should be time bound, because CBI inquiry gets prolonged. The CBI will also investigate the viral video, its camera and the makers of the video. An FIR has been registered and some arrests have also been made.

The reality in Manipur is that around 65,000 people have been displaced and more than 50,000 rendered homeless. Around 3000 people have been injured, while the death toll has reached 165. There have been around 5000 violent incidents in the state. About 24,000 people have taken shelter in relief camps. While women have given birth to 32 babies and still many pregnant women are inside the camps. Police have arrested 12,740 people as a precautionary measure and 252 suspicious faces have been identified. 124 companies of army and security forces are deployed and on guard in Manipur. Looking at these figures, the image of a war emerges in the mind. How will CBI investigate so many incidents of violence and killings in caste conflicts? Or will it be limited to the Chirharan incident only? There have been more than 5100 incidents of arson in Manipur. This is the result of tension and conflict between Meitei vs Kuki, Naga communities, but Manipur is surrounded by neighboring countries like Myanmar, Nepal, Bhutan, Bangladesh and China. Citizens of Myanmar can enter Manipur anytime for 72 hours.

No Visa. The borders are open. The Government of India must have taken such a decision too! Records of whether Myanmar nationals return are incomplete. Myanmar's most powerful drug and arms syndicate is active in Manipur only. Opium cultivation and modern, automatic weapons smuggling bases and their activities are known to both the state and the central government, but all are ostriches. Even today 40 militant groups are present in Manipur, this is also known by the governments. Manipur's crisis is not just ethnic conflict, it is multidimensional. Of course there should have been a comprehensive discussion on this issue in the Parliament. Government of India will have to take strict action.

The biggest crisis of Indian nationalism and history in the mirror of Manipur

Around 155 people have died in the ongoing violence in Manipur. Around 60,000 people have been rendered homeless. There have been more than 5000 incidents of arson. Police stations have been looted across the state. Thousands of weapons and lakhs of cartridges have reached the hands of the struggling communities. A video of brutality with women in Manipur, which has been reeling under caste violence for almost three months, shocked the whole nation. Among the women who were paraded naked, one is the wife of a soldier who fought in Kargil. The Chief Minister of Manipur said that there have been hundreds of such incidents. Around 155 people have died in the ongoing violence in Manipur. Around 60,000 people have been rendered homeless. There have been more than 5000 incidents of arson. Police stations have been looted across the state. Thousands of weapons and millions of cartridges have reached the hands of the fighting communities. Now the flames of this fire have started reaching Mizoram. Even after such a sensitive situation, many people are questioning the attitude of the central and state governments. The Prime Minister broke his silence when that horrifying video went viral, but after that efforts started to cover up the Manipur issue with crimes against women in all the states. Unfortunately, it appears that there is no "middle ground" left in Manipur. Different communities are becoming more and more radical in their stand. Civil society has disappeared and political parties have lost the moral authority necessary for negotiation and settlement between the two conflicting communities. Meanwhile, Rahul Gandhi's visit to Manipur was very important. His visit can be seen as an attempt to heal the wounds of the afflicted communities. India is a continent. It has within itself the feelings of local identity at the geographical, linguistic, cultural and political levels from the northeast to the far south. These feelings can be related to the identity, dialect, language, religion or culture of a community. They express themselves in their own way. Sometimes by forming an organization, sometimes through separate flags or sometimes by getting a safe, fair share in power and properties. These identities together add up to the All India identity. It is from these identities, from these expressions or to say that from all these local sub-nationalities, an all-India nationalism is formed. It is the job of the nation of India to bring all these local nationalities under the big umbrella of Indian nationalism and to assure them that we are all united as one. This is a delicate task. It should have foresight, generosity, deep understanding and the ability to chart a bigger future. This cannot be done casually. It can be fatal to do it from the point of view of electoral gain or economic gain only. There is a need to understand from what point of view political ideologies see different Indian identities. If political parties or governments run these Indian identities, born in an intense social process of thousands of years, as a means, a tool, a 'tool' for electoral gains, then the results will be like Manipur. For electoral gain and power, BJP-RSS have always tried to show the ocean of Indian nationalism in a narrow way. The truth is that looking at our country of great diversity, India, where culture, tradition and various ethnic communities are intermingled with each other, from the RSS's 'Hindu-non-Hindu' perspective will result in other identities being treated the same way. Will start trying it in a simplified way. The BJP apparently failed to provide a sense of security and belonging to the local identities and sub-nationalities present within the country and this has had a far-reaching impact on every community in Indian society. The biggest thing is that due to this changed role of the BJP-led central government, narrow and aggressive nationalism, all the small ethnic, cultural, religious identities were forced to become more fanatic about their respective identities and started preparing themselves for any untoward incident. . The current situation in Manipur shows that any political campaign launched against any particular class/religion/community for the sake of electoral interest ends up as Bhasmasur, because gradually this narrow perspective becomes your thinking. The federal structure of India has been under constant attack for the last few years. State sponsored divisions and attacks are being carried out on the basis of religion, language and culture. Manipur is the first victim of the onslaught on India's federal structure. Significantly, Vande Mataram and Jana Gana Mana were composed in Eastern India itself. Renaissance started from Eastern India. Eastern India became the main center of our national movement. The eastern India from which Indian nationalism had emerged, today it is being challenged in the same eastern India. Indian nationalism today is indeed facing the biggest crisis in its history.

Disturbing fact, the number of missing girls and women is telling that Indian society is tolerant towards them.

After Delhi's Nirbhaya incident, laws related to women's safety were tightened, but can it be said that the situation has improved? There is no significant decrease in crimes against women. They are becoming victims of sex offenders like never before. The cases of molestation, kidnapping and rape are not taking the name of stopping. At a time when everyone is raising concerns about women's safety, it is disturbing to note that between 2019 and 2021, in just three years, More than 1.3 million girls and women have gone missing. A significant number of girls who go missing are also minor girls. This means that the matter of women's safety is very serious. There is no reason to believe that the situation will improve after 2021, as reports of girls and women going missing or being abducted or abducted remain a regular feature. Since the data of missing girls and women was compiled by the National Crime Records Bureau and the same was presented in the Parliament recently, there is no justification to doubt it. Women? This is the question, which will have to be answered by the policy-makers as well as the society, because this is not a matter for which only the governments should be made to stand in the dock and the duty is done. Society is also responsible in the case of missing girls and women. He has to look inside himself and ask himself why is this happening? It cannot be ignored that in many parts of the country, the ratio of boys and girls has not yet been balanced, because the process of female feticide continues. This trend continues even after tightening the laws. Laws related to the safety of women were tightened after Delhi's Nirbhaya incident that shook the nation, but can it be said that the situation has improved? There is no significant decrease in crimes against women. They are becoming victims of sex offenders like never before. The cases of molestation, kidnapping and rape are not taking the name of stopping. The cases of domestic violence are also not decreasing. Only those people of our society are responsible for this situation, who are not able to give up their dirty mentality towards girls and women. As long as the society is not sensitive towards women, no matter how strict the laws are made to protect them and save them from sexual crimes, it is not going to work. The reputation of any society is made by how conscious and sensitive it is towards the respect of women. The large number of missing girls and women only shows that the Indian society is lenient towards them.

The political class will also have to come forward and inevitably the society will also have to come forward to remove this indulgence.This means that the matter of women's safety is very serious. There is no reason to believe that the situation will improve after 2021, as reports of girls and women going missing or being abducted or abducted remain a regular feature. Since the data of missing girls and women was compiled by the National Crime Records Bureau and the same was presented in the Parliament recently, there is no justification to doubt it. Women? This is the question, which will have to be answered by the policy-makers as well as the society, because this is not a matter for which only the governments should be made to stand in the dock and the duty is done. Society is also responsible in the case of missing girls and women. He has to look inside himself and ask himself why is this happening? It cannot be ignored that in many parts of the country, the ratio of boys and girls has not yet been balanced, because the process of female feticide continues. This trend continues even after tightening the laws. Laws related to the safety of women were tightened after Delhi's Nirbhaya incident that shook the nation, but can it be said that the situation has improved? There is no significant decrease in crimes against women. They are becoming victims of sex offenders like never before. The cases of molestation, kidnapping and rape are not taking the name of stopping. The cases of domestic violence are also not decreasing. Only those people of our society are responsible for this situation, who are not able to give up their dirty mentality towards girls and women. As long as the society is not sensitive towards women, no matter how strict the laws are made to protect them and save them from sexual crimes, it is not going to work. The reputation of any society is made by how conscious and sensitive it is towards the respect of women. The large number of missing girls and women only shows that the Indian society is lenient towards them. The political class will also have to come forward and inevitably the society will also have to come forward to remove this indulgence.he cases of molestation, kidnapping and rape are not taking the name of stopping. The cases of domestic violence are also not decreasing. Only those people of our society are responsible for this situation, who are not able to give up their dirty mentality towards girls and women. As long as the society is not sensitive towards women, no matter how strict the laws are made to protect them and save them from sexual crimes, it is not going to work. The reputation of any society is made by how conscious and sensitive it is towards the respect of women. The large number of missing girls and women only shows that the Indian society is lenient towards them. The political class will also have to come forward and inevitably the society will also have to come forward to remove this indulgence.This means that the matter of women's safety is very serious.

बाइक सवार से 20 हजार छीनकर भागे लुटेरे, दो धरे गए...जानिए फिर क्या हुआ?

मुरादाबाद-लुटेरों में से एक अचानक बाइक के आगे आकर गिर गया। जिसकी वजह से बाइक सवार ने ब्रेक लगा दिए। बाइक रुकते ही नशेड़ी ने बाइक सवार की जेब में रखे 20 हजार रुपये छीने और भाग गया। थाना सिविल लाइंस इलाके में लुटेरों ने एक बाइक सवार से 20 हजार छीन लिए। पीड़ित के शोर मचाने पर मौके पर जमा भीड़ ने पीछा कर दो लूटेरों को भागते हुए पकड़ लिया।

बाकी दो लूटेरे भागने में कामयाब हो गए। जानकारी के अनुसार, रामपुर के सैफनी थाना क्षेत्र में जटपुरा गांव के रहने वाले छोटे पैसे लेकर कांठ रोड स्थित अस्पताल में जा रहे थे।

छोटे के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों ने दौड़कर दो आरोपियों को धर दबोचा। जबकि इनके दो साथी मौके से भाग निकले। पकड़े गए दो आरोपियों ने पास में एक मैदान में घास से 7000 रुपये निकालकर दिए हैं। बाकी 13000 रुपये मौके से भागे आरोपी ले गए। पुलिस ने लुटेरों से बरामद सात हज़ार रुपए इलाज की बात सुनकर पीड़ित को बिना किसी कार्यवाही के सौंप दिए। वहीं पीड़ित का आरोप है कि थाना सिविल लाइंस पुलिस ने उन्हें ही नशेड़ी बताकर भगा दिया। पीड़ित का कहना है कि वह पैसे ब्याज पर उधार लेकर आया है और उसे इलाज कराने के लिए पैसों की बहुत सख्त जरूरत है। उसने पुलिस से गुहार लगाई है कि उसके बाकी के 13 हज़ार रुपए भी पकड़े गए बदमाशों से वापस दिला दिए जाए।

तड़पती अनीता का आयुष्मान कार्ड पर उपचार से अस्पताल ने खींच लिया था हाथ, अब जिलाधिकारी करेंगे जांच

मुरादाबाद-जिलाधिकारी के कहने पर भी एशियन विवेकानंद हॉस्पिटल ने नहीं किया इलाज एशियन विवेकानंद हॉस्पिटल में अनुदान पर उपचार का सच बहुत डरावना है। गरीब वर्ग के रोगियों के साथ वहां का व्यवहार चर्चा में है। ताजा उदाहरण अनीता भटनागर का सामने आया है। जिला अस्पताल के चिकित्सकों की सलाह पर बेटे और पति ने अनीता को विवेकानंद हॉस्पिटल में 28 मार्च को भर्ती कराया था। पांच घंटे तक उनका इलाज ही नहीं शुरू हुआ और पल्स घटकर 20-22 रह गई थी। अनीता की हालत बिगड़ती देख बेटे और पिता ने डॉक्टरों के सामने हाथ भी जोड़े लेकिन, जिम्मेदारों को दया नहीं आई। हॉस्पिटल की मनमर्जी तब जारी रही जब जिलाधिकारी, सीडीओ व एडीएम प्रशासन ने हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. हरजीत सिंह को अनीता का निशुल्क इलाज करने के निर्देश दिए थे। अस्पताल से निराश होकर बेटे ने मां को उसी दिन यहां से लेकर जाकर ब्राइट स्टार हॉस्पिटल भर्ती कराया था, जहां छह दिन इलाज चला। हालत सामान्य होने पर डॉक्टरों ने अनीता को घर भेज दिया था। इस समय आयुष्मान कार्ड के खर्चे पर अनीता की डायलिसिस ब्राइट स्टार हॉस्पिटल से ही चल रही है। मरीज के इलाज में विवेकानंद हॉस्पिटल की तरफ से बरती की गई लापरवाही के विरुद्ध गूंज सेवा संस्थान के अध्यक्ष सचिन गौतम मोर्चा खोल दिया है। अब आयुक्त के निर्देश पर अपर निदेशक (एडी) चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण दिनेश कुमार ने प्रकरण की जांच की और विवेकानंद हॉस्पिटल पर लगा आरोप सत्य पाया। लेकिन, एडी ने हॉस्पिटल के प्रबंधक को सिर्फ चेतावनी जारी कर पूरे घटनाक्रम को ठंडे बस्ते में डाल दिया। सचिन गौतम 27 जुलाई को मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह से मिले और एडी चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की जांच रिपोर्ट और कार्रवाई के संबंध में अपना पक्ष रखा है। अब आयुक्त ने अब प्रकरण की जांच और कार्रवाई करने के निर्देश डीएम को जारी कर दिए हैं।

एडी ने भविष्य की चिंता कर प्रबंधक को चेताया

अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण दिनेश ने 22 जुलाई को एशियन विवेकानंद हॉस्पिटल के प्रबंधक को चेतावनी जारी की थी। पत्र में लिखा है कि सचिन गौतम के 27 मार्च के पत्र पर सीडीओ-एडीएम प्रशासन से अनीता भटनागर के उपचार के लिए निर्देशित किया था। लेकिन, अनीता का अस्पताल में इलाज नहीं हुआ जो कि उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना है। यदि अनीता भटनागर का ट्रस्ट के माध्यम से निशुल्क उपचार नहीं कर सकते थे तो समय रहते उच्चाधिकारियों को सूचित करना चाहिए था। आपके द्वारा चैरिटी में दी जाने वाली छूट या निशुल्क सुविधाओं को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना चाहिए था। जिससे आने वाले रोगियों को किसी भी प्रकार की भ्रांति न हो।

अब जिलाधिकारी करेंगे जांच

अपर आयुक्त प्रथम बृजेश कुमार ने 27 जुलाई को लिखे पत्र में डीएम को निर्देश दिए हैं कि प्रकरण की जांच कराकर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जानकारी दें। पत्र में अपर आयुक्त प्रथम ने ये भी कहा है कि अनीता भटनागर के मामले में अपर निदेशक चिकित्सा एवं परिवार कल्याण ने जांच की थी। इनकी जांच रिपोर्ट को आवेदक ने दोषपूर्ण बताया है।

निर्धन है अनीता का परिवार

अनीता व उनके पति राजीव भटनागर रामगंगा विहार फेज-दो में मकान नंबर-चार में किराये पर रहते हैं। इनकी आर्थिक हालत खराब है। राजीव अपनी बीमारी के कारण कई माह से काम पर नहीं जा पा रहे हैं। एक बेटा है, जिसे संभल में शुगर फैक्ट्री ने नौकरी हटा दिया था। जांच के दौरान एशियन विवेकानंद हॉस्पिटल प्रबंधन ने बताया है कि अनीता भटनागर के जरूरत वाले इलाज में शुल्क जमा होना था, जिसे उन्होंने जमा नहीं किया था। इसलिए उनका इलाज संभव नहीं हो सका। हमने हॉस्पिटल के प्रबंधक को चेताया है कि आपके यहां इलाज में जिस सेवा का जो भी शुल्क तय है, उसका प्रदर्शन करें, ताकि रोगी या तीमारदारों को पता तो चले। - दिनेश कुमार, अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

शिवसेना कार्यकर्ताओं ने बिजली दर बढ़ाने के विरोध में किया प्रदर्शन

मुरादाबाद- शिव सेना कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में नारेबाजी की और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एएसीएम को सौंपा।जिसमें मांग की कि पावर कारपोरेशन द्वारा 28 पैसे से 1.09 रुपये तक प्रति यूनिट ईंधन अधिभार के रुप में बढ़ाए जाने वाले प्रस्ताव को तत्काल वापस लिया जाए। हालांकि दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर ही यूपी में भी लोगों को फ्री में बिजली दी जाए। सोमवार को शिवसेना प्रमुख डा. रामेश्वर दयाल तुरैहा के नेतृत्व में कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट में एकत्र हुए और नारेबाजी की।इसके बाद कार्यकर्ता डीएम कार्यालय पहुंचे। यहां पर कार्यकर्ताओं ने एएसीएम को ज्ञापन सौंपा। जिला प्रमुख ने कहा कि ईंधन अधिभार बढ़ाने से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। सरकार इस प्रस्ताव को वापस ले और पंजाब व दिल्ली की तरह ही यूपी में भी घरेलू उपभोक्ताओं को फ्री में बिजली देने का काम किया जाए। उन्होंने कहा अगर सरकार ने शिव सेना कार्यकर्ताओं की मांग नहीं मानी,तो आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर महानगर प्रमुख गुड्डू सैनी, जिला अध्यक्ष भवानी सेना ठाकुर मंजू राठौर, युवा जिला प्रमुख मनोज ठाकुर, युवा महानगर प्रमुख राकेश प्रजापति, जिला उप प्रमुख बाबा कुशल सिंह, जिला प्रवक्ता मोहर सिंह, जिला सचिव विजय सेठ, बबिता सैनी, सौरव सैनी, शीला सैनी, राजेंद्र कश्यप आदि मौजूद रहे।

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

चिन्हित ब्लैक स्पॉटों में कमी लाकर सड़क दुघर्टनाओं को रोकने के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद -मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन द्वारा वर्तमान मे सड़क दुर्घटनाओ तथा ब्लैक स्पॉटो के सम्बन्ध मे जानकारी दी तथा बैठक में दुर्घटनाओं की संख्या, दुर्घटना के फलस्वरुप मृतकों की संख्या एवं घायलों की संख्या पर विचार विमर्श किया गया। सड़क दुघर्टनाओं के तुलनात्मक विवरण के अनुसार दुघर्टनाओं मृतकों एवं घायलों की संख्या में वृद्धि होने पर मण्डलायुक्त ने दुघर्टनाओं में किस प्रकार कमी लाई जाये, इस पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु उन्होंने एन0एच0ए0आई0 को रोड पर दोनों तरफ रिफलेक्टर एवं स्पीड टेवल लगाने के निर्देश दिए। मण्डलायुक्त ने कहा कि सुगम आवागमन हेतु बिना नम्बर प्लेट अथवा जुगाड़ वाहन को जब्त करें तथा रजिस्टेऊशन के दौरान ही ई-रिक्शा का रुट निर्धारित करें। कमिश्नर ने निर्देशित किया कि कार्य योजना बनाकर दुर्घटनाओं की संख्या में हो रही वृद्धि पर

अंकुश लगाया जाए एवं दुर्घटनाओं व मृतकों की संख्या में कमी लाई जाए। इसके लिए ब्लैक स्पॉट्स पर विशेष ध्यान दिया जाए। पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वह ब्लैक स्पॉट्स पर अल्पकालिक सुधारात्मक कार्यवाही के साथ- साथ दीर्घकालिक सुधारात्मक कार्यवाही संपादित करना सुनिश्चित करें।

मण्डलायुक्त ने कहा कि एनएचएआई एवं ट्रैफिक पुलिस समन्वय के साथ कार्य करे। उन्होंने निर्देशित किया कि सड़कों पर सुरक्षात्मक संबंधी सभी उपाये करें। मण्डल में परिवहन /शिक्षा विभाग द्वारा बनाये गये सड़क सुरक्षा क्लबों के माध्यम से स्कूली छात्रों एवं उनके अभिभावकों के मध्य सड़क जागरुकता कार्यक्रमों के आयोजन के संबंध में आयुक्त ने ए0डी0बेसिक को स्कूलों में सड़क सुरक्षा क्लबों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

बैठक में सार्वजनिक सेवायान तथा सोलेशियम स्कीम के अर्न्तगत सभी प्रकरणों के निस्तारण करने के निर्देश दिए। अज्ञात वाहनों द्वारा की गयी सड़क दुघर्टना में मृत/घायल व्यक्तियों के आश्रितों को हिट एण्ड रन योजना के अर्न्तगत मामलों का निस्तारण कर धनराशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि प्रवर्तन की कार्यवाही चलती रहें इसको सुनिश्चित किया जाये। बैठक में परिवहन विभाग ने बताया कि मण्डल में परिवहन विभाग द्वारा प्रवर्तन की कार्यवाही के दौरान 410 ड्राईविंग लाईसेंस निलंबन किए गये हैं। पुलिस विभाग द्वारा मण्डल में 77478 चालान जिनमें 70726 हेलमेट तथा 6742 सीट बेल्ट के चालान काटे गये हैं। बैठक में डी0आई0जी0 पुलिस मुनिराज, अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह, सचिव मुरादाबाद विकास प्राधिकरण अंजु लता, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, एसपी टैअफिक सुभाष गंगवार, आर0टी0ओ0 मुरादाबाद आर0के0 सिंह, ए0आर0टी0ओ0 अमरोहा महेश कुमार शर्मा, ए0आर0टी0ओ0 बिजनौर गौरीशंकर ठाकुर, आर0टी0ओ0 रामपुर आर0के0 श्रीवास्तव, एलडीएम विशाल दीक्षित, अधीक्षण अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, टैअफिक इंस्पेक्टर, कपिल रस्तोगी, ट्रान्सपोर्टर सहित अन्य विभागों के संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हरिद्वार व बृजघाट से जल भरकर लाए शिवभक्तों ने मंदिरों में किया जलाभिषेक

मुरादाबाद-सावन के चौथे सोमवार को महादेव के जयकारों से गूंजा महानगर, शिवालयों में तड़के से शिवलिंग पर जल चढ़ाने को लगी रही भक्तों की लाइन चौरासी घंटा मंदिर, ढाप वाले मंदिर, मनोकामना मंदिर, आशियाना के शिवशक्ति मंदिर, हरथला शिवमंदिर में भक्तों ने की पूजा अर्चनासावन के चौथे सोमवार पर शिवभक्तों ने हरिद्वार व बृजघाट से जल भरकर शिवालयों में जलाभिषेक किया। महानगर में चारों ओर हर हर महादेव का जयघोष गूंजता रहा। कांवड़िए बड़ी संख्या में हरिद्वार और बृजघाट से गंगा जल लेकर महानगर पहुंचे। शिव भक्तों की भोर की पहली किरण के साथ ही मंदिरों में जलाभिषेक के लिए लाइन लगनी शुरु हो गई। बोल बम, जय जय शिवशंकर का जयघोष करते हुए कांवड़ियों के जत्थे मंदिरों में पहुंचे। दूसरी ओर महानगर के चौरासी घंटा मंदिर, ढाप वाला मंदिर, शिवशक्ति मंदिर, हरथला शिवमंदिर सहित अन्य मंदिरों में पहुंचकर शिवभक्तों ने जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की।वहीं अन्य भोले के भक्तों ने भी फूल, बेलपत्र, फल आदि चढ़ाकर अपने आराध्य देव से मनोकामना पूरी करने की मनुहार कर सुख समृद्धि और लोक कल्याण की कामना की। साथ ही भोले के नाम पर व्रत रखा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मौसम बदलते ही आंखों की बीमारी शुरू, सावधानी बरतने की सलाह

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- इन दिनों आंखों का संक्रमण कंजेक्टिवाइटिस बहुत तेजी से फैल रहा है इससे खुद को बचाने के लिए और लोगों को संक्रमित होने से बचाने के लिए सावधानी और सतर्क रहने की जरूरत है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.एस.सिंह जी के निर्देशन व नोडल अधिकारी डॉक्टर तेरस कंवर के मार्गदशन में नेत्र सहायक अधिकारी श्री अमित चौरसिया व मारुति नंदन चक्रधारी जी के द्वारा ज़िले में स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ठ अंग्रेजी माध्यम नवापारा सूरजपुर व आर.एच.एस मॉर्डन स्कूल लांची में विशेष शिविर आयोजित कर सभी बच्चो का आई चेकअप किया गया। अभी काफी मात्रा में कंजेक्टिवाइटिस के मरीज इलाज कराने आ चुके हैं। स्कूल में बच्चों को जानकारी देते हुए, उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति कई लोगों को संक्रमित कर सकता है। इस वजह से संक्रमित होने वाले बच्चे, बड़े सभी को भीड़ भाड़ वाले इलाके में जाने से बचाना चाहिए। लक्षण दिखाई पड़ते ही तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। अपने आप को आइसोलेट करें। बच्चे जब तक पूरी तरह से ठीक न हो जाएं तब तक स्कूल न जाएं। संक्रमित बच्चे और बड़े सभी काला चश्मा का प्रयोग करें। इसके लक्षण और कारण - कंजेक्टिवाइटिस आंखों का एक संक्रमण है, जिसे आमतौर पर इसे पिंक आई के नाम से भी जाना जाता है। यह वायरस जनित संक्रामक रोग है। प्रमुख रूप से आंखों का लाल होना, जलन खुजली और आंखों से लगातार आंसू निकलना, पीला स्त्राव बहना, पलके आपस में चिपक जाना, पलक में सूजन होना आदि इसके प्रमुख लक्षण हैं।

41 वर्ष की सेवा पश्चात प्रधान पाठक सुनील सिंह हुए सेवानिवृत

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर ने दी बधाई और उज्जवल भविष्य की कामना की गंगापुर पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधानपाठक श्री सुनील कुमार सिंह के सेवानिवृत होने पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की, श्री सुनिल कुमार सिंह 41 साल की सेवा के बाद आज सेवानिवृत हुए हैं। उन्होंने माध्यमिक शाला लहपटरा, लखनपुर, बिशुनपुर और अंबिकापुर के साथ दूसरे स्कूल में अपनी सेवाएं दी है। वर्ष 2009 में प्रधानपाठक के पद पर माध्यमिक शाला अनुजनगर में पदस्थ थे। वर्ष 2012 से संकुल प्रभारी अनुजनगर एवं वर्तमान में संकुल प्राचार्य गंगापुर सूरजपुर में सेवारत थे। श्री सुनील कुमार सिंह को जिला स्तरीय स्वच्छता पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। इसके साथ ही उन्हें जिला स्तरीय अन्य पुरस्कारों से भी पूर्व में नवाजा गया था।

गोकशी की दो घटनाओं में वांछित 25000 रुपए का इनामिया अभियुक्त शातिर गौ तस्कर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा -जनपदीय पुलिस को मिली बड़ी सफलता, थाना कोतवाली देहात क्षेत्रांतर्गत हुई गोकशी की दो घटनाओं में वांछित 25000 रुपए का इनामिया अभियुक्त शातिर गौ तस्कर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार। आज दिनांक 30.07.2023 को समय करीब 21.25 बजे थाना कोतवाली देहात तथा इंटेलिजेंस विंग टीम को किशनपुर अंडरपास के पास मुखबिर की सूचना पर चैकिंग के दौरान एक काले रंग की एचएफ डीलक्स मोटर साइकिल (बिना नम्बर की) पर गंजडुंडवारा रोड की तरफ से आते हुए दो व्यक्तियों को पुलिस टीम द्वारा रुकने का इशारा किया गया तो बाइक सवारों द्वारा भागने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम के ऊपर फायरिंग शुरु कर दी, जिसपर पुलिस टीम द्वारा की गयी आत्मरक्षार्थ फायरिंग में 25,000 रुपए का इनामिया अभियुक्त जैद उर्फ राहुल उर्फ बिल्ली पुत्र गटुआ उर्फ फरियाद खां निवासी नदरई थाना कासगंज जनपद कासगंज उम्र करीब 25 वर्ष घायल हो गया जिसे समय करीब 21.30 बजे गिरफ्तार किया गया है तथा एक बदमाश शमशेर पुत्र अलीशेर निवासी नदरई थाना कासगंज जनपद कासगंज अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकला। घायल अभियुक्त को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय भिजवाया गया है। अभियुक्त की जामातलाशी तथा मौके से 01 अवैध देशी तमंचा 315 बोर, 01 खोखा कारतूस (नाल में फंसा हुआ), 01 खोखा कारतूस 315 बोर मौके से, 04 जिन्दा कारतूस 315 बोर, एक मोटर साइकिल बरामद हुई हैं। प्रारंभिक पूछताछ में अभियुक्त द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ जनपद में दिनांक 01/02.05.2023 को थाना कोतवाली देहात क्षेत्रांतर्गत ग्राम पवास तथा दिनांक 02/03.05.2023 को थाना कोतवाली देहात क्षेत्रान्तर्गत ग्राम लखमीपुर में गोकशी की दो घटनाओं को कारित किया जाना स्वीकार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के संबंध में संबंधित जनपदों से जानकारी की जा रही है तथा फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित कर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रकरण में फील्ड यूनिट टीम द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य संकलन की कार्यवाही करते हुए थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता जैद उर्फ राहुल उर्फ बिल्ली पुत्र गटुआ उर्फ फरियाद खां निवासी नदरई थाना कासगंज जनपद कासगंज उम्र करीब 25 वर्ष फरार अभियुक्त का नाम 1.शमशेर पुत्र अलीशेर निवासी नदरई थाना कासगंज जनपद कासगंज

कांवड़ियों को सड़क पर उतरकर शुद्ध देशी घी से निर्मित भोजन कराया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा -एटा में पुलिस की दिखी मानवता, सीओ जलेसर और एसएचओ जलेसर ने कांवड़ियों को सड़क पर उतरकर शुद्ध देशी घी से निर्मित भोजन कराया, और आम लोगों को अपने हाथों से भोजन बांटा, कांवड़िए जय भोले के लगाते रहे नारे, जलेसर सीओ राघवेंद्र राठौर के नेतृत्व में जलेसर एसएचओ जगदीश सिंह ने भोजन केंप लगाकर की जन सेवा, जलेसर सीओ राघवेंद्र राठौर के नेतृत्व में आगरा चौराहा स्थित पुलिस चौकी पर कराया गया कावड़ यात्रियों को भोजन, इस अवसर पर जलेसर क्राइम इंस्पेक्टर विष्णु शर्मा, एस आई चंद्र शेखर त्रिपाठी, एस आई राहुल बाल्यान, कमल सिंह,प्रेमप्रकाश सहित भारी संख्या में पुलिस कर्मियों ने शुद्ध देसी घी से निर्मित भोजन प्रसाद किया वितरण, थाना जलेसर क्षेत्र के आगरा चौराहा पर स्थित पुलिस चौकी पर भंडारा जनसेवा करने का मामला

टूटने की कगार पर एक खड़े परिवार को समझा कर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा -वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में महिला थाना कैंपस नारी उत्थान केंद्र संचालित परिवार परामर्श केंद्र में आज दिनांक 30/7/23 को आपसी मतभेद के कारण टूटने की कगार पर एक खड़े परिवार को समझा कर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया गया वादी श्रीमती उषा देवी पत्नी सत्य प्रकाश कुमार निवासी सेथंरा थाना कोतवाली देहात जिला एटा प्रतिवादी सत्य प्रकाश पुत्र गोविंद निवासी ग्राम सेथंरा थाना कोतवाली देहात जिला एटा आज आपसी मतभेद के कारण परिवार परामर्श केंद्र में पत्रावली प्रचलित थी

दोनों परिवारों को परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग कर समझाया गया दोनों अपनी पिछली गलतियों को मानते हुए साथ रहने के लिए राजी हुए आज की बैठक में प्रभारी निरीक्षक ब्रह्मवती काउंसलर डॉ अशोक कुमार डॉ मुकुल देव पुलिस स्टाफ हेड कांस्टेबल मिथलेश गौरी पूजा मौजूद रहे।

3 तीन मासूम बच्चों को सकुशल किया बरामद, तीनों मासूम घर से खेलते खेलते हो गए थे लापता

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा -एटा में पटियाली चौकी प्रभारी एसआई रीतेश ठाकुर की सूझबूझ से 3 तीन मासूम बच्चों को सकुशल किया बरामद, तीनों मासूम घर से खेलते खेलते हो गए थे लापता, कोतवाली नगर एसएचओ डा0 सुधीर कुमार सिंह, पटियाली चौकी प्रभारी रीतेश ठाकुर और उनकी पुलिस टीम ने 卐ऑपरेशन मुस्कान卐 के तहत 3 मासूमों को किया बरामद, पटियाली चौकी इंचार्ज ने लापता बच्चों के परिजनों को वोलेंटियर्स के माध्यम से परिजनों को खोजा, तीनों लापता बच्चों के परिजनों सानू पुत्र किस्मत अली और नफीसा बेगम को तीनों बच्चों को चौकी इंचार्ज रीतेश ठाकुर ने सौंपा तो भाबुक हो गए परिजन, परिजनों के चेहरे पर छाई खुशी की लहर और परिजनों ने एटा पुलिस और चौकी इंचार्ज रीतेश ठाकुर और जनपद पुलिस का किया शुक्रिया अदा, यह तीनों मासूम बच्चे शिवसिंह पुर तिराहे पर रोते बिलखते हुए मिले पटियाली गेट चौकी प्रभारी रीतेश ठाकुर को उन्होंने उन्हें चॉकलेट कुरकुरे खिलाकर समझाए तब हुए चुप,उन्होंने तत्काल उनसे पूछा गया तब उन्होंने केवल बाबूगंज बताया,तब अपने वालंटियर को पर्सनल सूचना देकर उनके परिजनों को चंद समय में ढूंढ निकाला उसके बाद परिजनों को सौंपा, ये तीनों लावारिस बच्चे अहान पुत्र टिंकू उम्र 4 वर्ष,सुफियान पुत्र सानू उम्र 3 वर्ष,अरहान पुत्र सानू उम्र 2 वर्ष तीनों बाबूगंज के निवासी बताए जा रहे है, थाना कोतवाली नगर की पटियाली चौकी क्षेत्र के शिवसिंह पुर तिराहे का मामला।

नवाबगंज के अध्यक्ष पुष्पराज गंगवार, मंत्री हरीश गंगवार, और कोषाध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा बने

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- शिक्षकों की भीड़ हुजूम देख नवाबगंज के विधायक शिक्षकों के चुनाव में पहुंचे शिक्षकों ने विधायक से विद्यालयों की सफाई न होने की बात रखी विधायक ने तुरंत सी डी ओ, बी डी ओ नवाबगंज, भदपुरा को फोन कर विद्यालयों की सफाई करवाने को कहा बरेली आज विकास क्षेत्र नवाबगंज में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ (संम्वद्ध- अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक) का चुनाव पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय औरंगाबाद नवाबगंज में अपरान्ह दो बजे जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार और मांडलिक मंत्री के सी पटेल की उपस्थिति में हुआ, इसमे व्लाक मे कार्यरत लगभग 600 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया, चुनाव पर्यवेक्षक राजवीर सिंह और मनोज गंगवार ने पूरी चुनाव प्रक्रिया पूर्ण करायी, नामांकन अध्यक्ष पद पर पुष्पराज गंगवार और मंत्री पद पर हरीश गंगवार ने कराया, दोनों निर्विरोध निर्वाचित हुए, कोषाध्यक्ष पद पर दो नामांकन अशोक कुमार शर्मा और नवल किशोर ने कराए, दोनों के मध्य बातचीत उपरांत नवल किशोर ने संघठन की मजबूती हेतु अपना नाम वापस ले लिया इस प्रकार अशोक कुमार शर्मा भी निर्विरोध निर्वाचित हुए, निर्वाचित पदाधिकारियों के नामों की घोषणा करते हुए जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार ने कहा कि आज नवाबगंज में एक मजबूत संगठन की नींव रखी गई है, अब आप सभी की समस्याओं के हल की जिम्मेदारी अब नव निर्वाचित पदाधिकारियों की और यह आपकी समस्याओं को अवश्य हल करेंगे इससे पूर्व मांडलिक मंत्री ने चुनाव में उपस्थित बड़ी संख्या में शिक्षकों की उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया और कहा आप अपने संगठन को मजबूत करने हेतु चुनाव में आए हैं जो कि प्रजातंत्र की सबसे सुंदर और मजबूत कड़ी है चुनाव, और बताया कि पेंशन रथ यात्रा बरेली में एक अगस्त को बरेली में प्रवेश करेगी जनपद की तरफ से एक अगस्त को झूमका चौराहे पर अपरान्ह दो बजे स्वागत किया जाएगा इसके बाद यह रथ यात्रा मिनी बाइपास होते हुए इज़्ज़त नगर रेल्वे स्टेशन, आई बी आर आई, डेलापीर, स्टेडियम, श्यामगंज पुल, विकास भवन होते हुए आयकर भवन पहुंचेगी जहां सभा होगी, रात्रि विश्राम बरेली में पी डब्ल्यू डी गेस्ट हाउस में है, इसकी तैयारी करें, साथ ही दिल्ली रामलीला मैदान में होने वाली पुरानी पेंशन बहाली हेतु सयुंक्त मोर्चा के धरना प्रदर्शन की पूर्ण तैयारी में जुटे रहे चुनाव के दरम्यान नवाबगंज के लोकप्रिय विधायक शिक्षकों को बड़ी संख्या में देख रुक गए और शिक्षकों के अनुरोध पर चुनाव स्थल पर पहुंचे जहां चुनाव प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी थी, विधायक डॉक्टर एम0 पी0 आर्य ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और सभी को आश्वासन दिया कि जहां भी जरूरत हो काम हो निसंकोच हमे बताऐ,इसी बीच नव निर्वाचित अध्यक्ष पुष्प राज गंगवार ने विद्यालयों की साफ सफाई की बात रखी बताया कि विद्यालयों की नियमित साफ सफाई न होती है जिसके कारण विद्यालयों मे गंदगी रहती जिसका खामियाजा शिक्षकों को निरीक्षण मे उठाना पड़ता है, विधायक जी तुरंत बी डी ओ नवाबगंज और भदपुरा को फोन कर विद्यालयों की नियमित सफाई करवाने को कहा, जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार ने विधायक को बताया कि यह पूरे जिले की समस्या है इस पर विधायक जी ने सी डी ओ बरेली से फोन पर बात की और पूरे जिले के स्कूलों में साफ सफाई की बात बताई, सी डी ओ ने कहा कि आज मीटिंग है सभी बी डी ओ की जिसमें विद्यालयों की साफ सफाई कराने के कड़े निर्देश दिए जाएंगे चुनाव सभा का संचालन कुंवर सेन ने किया, इस अवसर पर प्रसून गंगवार, अनिल गंगवार, विजय गंगवार, बल बीर सिंह, आकाश बाबु, अनवर हसनैन, नर देव गंगवार, पंकज, शिवम गंगवार, तपन सिंह मौर्य, बुद्ध पाल, विनीता, साधना, मंजू, हिमांशु, राजीव, संजीव, कन्हई लाल, प्रद्युम्न कुमार, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे,

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

जिले के 2 हजार 680 हितग्राहियों के खाते में भी 67 लाख रुपए हुई अंतरित

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय रायपुर से आज वर्चुअली कार्यक्रम के माध्यम से बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 1 लाख 22 हजार 625 हितग्राहियों के खाते में चौथी किष्त के रूप में 31 करोड 71 लाख रूपए की राशि का आंतरण किया। इसके साथ ही सूरजपुर जिले के 2 हजार 680 हितग्राहियों के खाते में भी 67 लाख रुपए अंतरित हुई। बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत प्रदेश में अब तक 112 करोड़ 43 लाख 30 हजार रूपए हितग्राहियों के खाते में अंतरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने रायपुर के कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं के साथ ही विभिन्न जिलों के लाभार्थी युवक-युवतियों से चर्चा कर उनकी प्रतिक्रिया ली। उन्होंने कहा कि युवा हमारे देश के भविष्य है। युवा मजबूत होंगे तो छत्तीसगढ़ मजबूत होगा। बेरोजगारी भत्ता एक छोटा सा सहयोग है, इसके माध्यम से वे आगे की शिक्षा और प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर सकते है। इस योजना का लाभ शहरी लोगो के साथ ही अधिक संख्या में ग्रामीणों को भी मिल रहा है। कलेक्ट्रेट के वीडियो कांफ्रेंस कक्ष में वर्चुअली कार्यक्रम में संसदीय सचिव श्री पारसनाथ राजवाड़े, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, जनपद अध्यक्ष श्री जगलाल सिंह, रोजगार अधिकारी सुश्री चारूचित्रा साय सहित लाभार्थी विजया कुमारी शिवप्रसादनगर, मईया पैकरा कुसमुसी, सुधा राजवाड़े खोपा, पूजा रवि नवापारा खुर्द, निरज गुप्ता सलका, टकेश्वर सिंह गंगौटी, अंजना कुशवाहा लटोरी तथा अनुरंजना देवनगर उपस्थित रही। विदित हो कि योजनांतर्गत माह जून 2023 तक कुल 2625 पात्र हितग्राहियों को तृतीय किश्त की राशि का भुगतान किया चुका है। माह जुलाई 2023 में 55 हितग्राही और पात्रता की श्रेणी में जोड़े गयें है, इस प्रकार जिले में आज दिनांक तक कुल 2680 हितग्राही पात्रता की श्रेणी में हैं। माह जूलाई 2023 में कुल 2680 हितग्राहियों को बेरोजगारी भत्ता योजनांतर्गत चतुर्थ किश्त की राशि का भुगतान आज किया गया है। बेरोजगारी भत्ता के पात्र हितग्राहियों में से कुल 240 हितग्राहियों का कौशल विकास योजनांतर्गत के तहत् अलग-अलग कौशलों में प्रशिक्षण हेतु चयन कर प्रशिक्षण प्रदाय किया रहा है। प्रशिक्षण लाईवलीहुड कॉलेज के माध्यम से कोर्स सिटिंग मशीन ऑपरेटर, एसीसटेंड इलेक्ट्रीशियन, डोमेस्टिक डाटा एन्ट्री आपरेटर, फंट लाईन हेल्थ वर्कर, ऑटोमोटिव सर्विस टेक्नेशियन का प्रशिक्षण लैब की क्षमता अनुसार 180 प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण संचालित है। इसी प्रकार पॉलेटिक्निक कॉलेज सूरजपुर कोर्स एसीसटेंड इलेक्ट्रीशियन में 30 एवं आईटीआई सूरजपुर में ऑटोमोटिव सर्विस टेकनेशियन 30 प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण कार्य प्रगति पर है। पात्र हितग्राहियों को रोजगार मेला के माध्यम विभिन्न फर्म, उद्योगों में कुल 73 रिक्त पद के विरूद्ध उनके रूचि अनुसार रोजगार प्रदाय किया जा चुका है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत् 10 हितग्राहियों से स्व-रोजगार हेतु लोन प्रदाय करने का आवेदन प्राप्त हुआ है। जिस पर कार्यवाही प्रगतिरत् है। कौशल विकास योजना के तहत् अधिक से अधिक युवाओं को लाभांवित करने बावत् प्रत्येक जनपद पंचायतों के 01-01 रीपा केन्द्रों को प्रशिक्षण स्थल का चयन किया है, जिसमें सोलर इस्टालेशन टेकनेशियन, सिंविगं मशीन ऑपरेटर, रिटेल सेल्स एसोसिएट एवं फायर फाईटर का कोर्स चयन कर प्रशिक्षण प्रदान करने के उपरांत रोजगार एवं स्व-रोजगार से जोड़ने का कार्यवाही की जा रही है।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मदन मोहन व्यास के निधन पर भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने किया शोक व्यक्त

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - प्रसिद्ध उद्योगपति,शिक्षाविद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मदन मोहन व्यास का गत दिनों निधन हो गया था।उनके निधन पर पारिवारिक सदस्यों के साथ राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ,केन्द्रीय मंत्री सुधान सिंह,सोम प्रकाश,पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़,पूर्व मंत्री मनोरजन कालिया,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा,जिला भाजपा अध्यक्ष रजनीश धीमान ने शोक प्रकट किया। शोक प्रकट करते हुए तरुण चुघ, केन्द्रीय मंत्री सुधान सिंह,सोम प्रकाश ने कहा कि मदन मोहन व्यास ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिक्षा विंग विद्या भारती एवं सर्वहितकारी शिक्षा समिति में भी क्षेत्र स्तर पर प्रतिनिधित्व किया और शिक्षा को हर बच्चे तक पहुंचाने में अपना विशेष योगदान दिया। भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़,पूर्व मंत्री मनोरजन कालिया,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा,ने कहा कि वह आर्थिक तौर पर कमजोर वर्ग के बच्चों को शिक्षा दिलाने में हमेशा सक्रिय रहते थे। उन्होंने शिक्षा के अलावा राजनीति में भी अपनी अलग पहचान बनाई और लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन की जिम्मेदारी दो बार निभाई। मदन मोहन व्यास ने वर्षो तक लुधियाना स्पीनर्स एसोसिएशन की कमान संभाली और स्पीनिंग उद्योग के लिए अहम योगदान किया।जिला भाजपा अध्यक्ष रजनीश धीमान ने कहा कि वो पार्टी के एक सच्चे सिपाही थे।उनकी क्षति का कभी पूरी नहीं हो सकेगी।आज उनके दिखाए मार्ग दर्शन पर चल कर पार्टी बुलंदिया छू रही है।

09 लीटर अवैध शराब व 20 किलो महुआ लाहन आबकारी विभाग ने किया जप्त

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- सचिव सह आबकारी आयुक्त श्री जे.पी पाठक एवं प्रबंध संचालक श्री आर.के. मन्डावी के द्वारा दी गई निर्देश के तातम्य में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार जिला आबकारी अधिकारी श्री इन्द्रबली सिंह मारकण्डेय के विशेष मार्गदर्शन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी एवं आबकारी उप निरीक्षक के द्वारा अवैध प्रकरण के विरूद्ध 24 से 30 जुलाई तक में 7 प्रकरण दर्ज किया गया, तथा 9 बल्क लीटर अवैध शराब के साथ 20 किग्रा. महुआ लाहन जप्त किया गया।

02 अगस्त को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की काउंसलिंग

रामचंद्र जायसवाल -क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के लिए सी.बी.एस.ई पाठ्यक्रम हेतु कक्षा 7 वी. 8वी. 9वी 10वीं व 11वीं में रिक्त सीटों की पूर्ति के लिए विज्ञप्ति जारी कर ऑफलाईन आवेदन आमंत्रित की गई थी। प्रवेश परीक्षा का आयोजन दिनांक 13 जुलाई को किया गया था। जिसका परीक्षा परिणाम की घोषणा 19 जुलाई को किया गया, तथा 24 जुलाई तक दावा आपत्ति मंगाये गये थे। प्राप्त दावा-आपत्ति का निराकरण हो जाने के पश्चात अब मेरिट सूची का प्रकाशन किया जा चुका है। जिसका अवलोकन कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग के सूचना पटल तथा जिला सूरजपुर के बेवसाइट ूेनतंरचनतण्दपबण्पद में किया जा सकता है। विद्यालय के आवंटन हेतु काउंसलिंग का आयोजन 02 अगस्त को प्रातः 10:00 बजे से एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवप्रसादनगर में किया गया है।

आजमगढ़ में शिवपाल यादव बोले- INDIA की मजबूती से भाजपा घबराई, 2024 में उनकी हार तय

आजमगढ़ दौरे पर आए शिवपाल यादव का सपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह जोरदार स्वागत किया। मीडिया से बात करते हुए भाजपा पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उनकी हार तय है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव सोमवार को आजमगढ़ पहुंचे। नेहरू हॉल में आयोजित पार्टी की बैठक इतर मीडिया से बात करते हुए भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादियों और सपा कार्यकर्ताओं को संगठित कर हम मजबूती से चुनाव लड़ेंगे और उत्तर प्रदेश में भाजपा को हराएंगे। रही बात विपक्ष के गठबंधन इंडिया (INDIA) की तो वो बहुत मजबूत है। विपक्षी एकता के नए नाम से पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी घबराई हुई है। आजमगढ़ दौरे पर आए शिवपाल यादव का सपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह जोरदार स्वागत किया। जिसका परिणाम रहा कि जनपद की सीमा प्रवेश करने के बाद उन्हें जिला मुख्यालय तक पहुंचने में घंटों लग गए। वह सीधे नेहरू हॉल पहुंचे और पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक की।स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान का किया बचाव- इसके बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि कल से मैंने पूर्वांचल का दौरा शुरू किया है। संगठन को मजबूत कर और समाजवादियों को इकठ्ठा कर 2024 का चुनाव लड़ा जाएगा और भाजपा को हराया जाएगा। स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत मत है। यह जो भाजपा की चाल है हम उसे सफल नहीं होने देंगे। धर्मेंद्र यादव के चुनाव में गुटबाजी के सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है, यह कहना गलत है। जल्द ही जिले की नई कार्यकारिणी का गठन होगा। इस मौके पर सपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष हवलदार यादव, पूर्व सांसद नंद किशोर यादव, विधायक दुर्गा प्रसाद यादव समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा ने सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी/कर्मचारीगण को दी गयी भावभीनी विदाई

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा -वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा ने सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी/कर्मचारीगण को दी गयी भावभीनी विदाई। आज दिनांक - 31-07-2023 को पुलिस विभाग में निरन्तर सेवा प्रदान करते हुये अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री राजेश कुमार सिंह द्वारा भावभीनी विदाई दी गयी। इस अवसर पर सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस विभाग के कर्मचारीगण से उनका परिचय प्राप्त करते हुये कर्मियों से उनके सेवाकाल के अनुभव के विषय में जानकारी की गयी। विदाई समारोह में शॉल व माला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनके सुखद एवं स्वस्थ्य जीवन की कामना की गयी। सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों से भविष्य में किसी भी समस्या, शिकायत अथवा सहायता के लिए निःसंकोच होकर अपनी बात रखने के लिए बताया गया। दिनांक -31.07.2023 को सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण का विवरण निम्नवत् है- उ0नि0 श्री राजेन्द्र सिंह उ0नि0 श्री राधाचरण सिंह उ0नि0 श्री शंकरपाल सिंह उ0नि0स0पु0 श्री जयदयाल सिंह चालक श्री मूलचंद्र सिंह अर्दली प्यून श्री भगवत चरण।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने 22.56 करोड़ रुपए के तीन सड़क प्रोजेक्टों के नींव पत्थर रखे

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना -पंजाब के लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने आज जिले के साहनेवाल और पायल हलकों में पड़ते तीन महत्वपूर्ण सड़क प्रोजेक्टों की 22.56 करोड़ रुपए की लागत के साथ विशेष मुरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए नींव पत्थर रखे। इन प्रोजेक्टों में 2.37 करोड़ रुपए की लागत के साथ लुधियाना-चंडीगढ़ हाईवे से गुरुद्वारा देगसर साहिब सड़क (2-कि. मी.), 13.03 करोड़ रुपए की लागत के साथ बिजा-पायल-जगेरा सड़क (15.70 किलोमीटर) और 7.16 करोड़ रुपए की लागत वाली पायल-ईसड़ू सड़क (9. 60 किलोमीटर) शामिल हैं। ये काम आगामी छह से नौ महीनों में मुकम्मल कर लिए जाएंगे। इन प्रोजेक्टों के नींव पत्थर रखने के मौके पर विधायक हरदीप सिंह मुंडियां और मनविन्दर सिंह गियासपुरा की हाज़िरी में लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने कहा कि लुधियाना- चंडीगढ़ मुख्य मार्ग से लेकर गुरुद्वारा देगसर साहिब तक 2 किलोमीटर के हिस्से ख़स्ता हालत में है, जिस कारण श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी तरह बिजा-पायल-जगेरा और पायल-ईसड़ू को जाने वाली सड़कों जो एन. एच-44 को लुधियाना-मालेरकोटला राज मार्ग के साथ जोड़ने वाली सड़कों का काम करती हैं, खड्डों से भरी हुई हैं और इनकी तुरंत मुरम्मत की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि सड़कों की ख़स्ता हालत राहगीरों के लिए एक भयावह स्वप्न बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की पिछली सरकारें इन सड़कों के निर्माण के लिए लोगों की तरफ से बार-बार उठाई जाती माँग की तरफ ध्यान देने में असफल रहीं। उन्होंने कहा कि सड़क ढांचे को पंजाब के मानकों के समान विकसित किया जायेगा। विधायक मनविन्दर सिंह गियासपुरा, हरदीप सिंह मुंडियां ने प्रोजैक्ट शुरू करवाने के लिए मंत्री का धन्यवाद किया।

सांसद संजीव अरोड़ा ने परिवार के सदस्यों के साथ पीएम से की मुलाकात

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - लुधियाना से सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। अरोड़ा के साथ उनके परिवार के सदस्य, पत्नी, बेटा, बेटी, बहू, दामाद और पोते-पोतियां भी थे। अरोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य और टेक्सटाइल सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए पर्याप्त समय दिया। प्रधानमंत्री ने टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर विस्तार से चर्चा की। अरोड़ा ने टीबी के मुद्दों को हर संभव स्तर पर उठाने का वादा किया। अरोड़ा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी संसदीय समिति के सदस्य भी हैं।

अरोड़ा ने कहा कि उनका जोर इस बात पर था कि सरकार को हर किसी के लिए किफायती स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करनी चाहिए, खासकर समाज के गरीब वर्ग के लिए। अरोड़ा ने गरीबों को किफायती स्वास्थ्य देखभाल, खासकर कैंसर के इलाज में मदद के लिए उनके द्वारा उठाये जा रहे कदमों के बारे में प्रधानमंत्री को जानकारी दी। अरोड़ा ने कहा कि बैठक पूरी तरह सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई और प्रधानमंत्री ने उनके पोते-पोतियों के साथ हंसी-मजाक भरी बातचीत की और उन्हें चॉकलेट उपहार में दीं। पूरे परिवार ने इस सौहार्दपूर्ण मुलाकात के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

नाजायज चरस के साथ एक गिरफ्तार

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती के नेतृत्व में मय हमराही क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्राम ग्राम ऐलहवा से मछरिहवा जानें वाले रोड पर जा रहे थे कि कोड़री घाट पुलिया के पास एक व्यक्ति मछरिहवा की तरफ से आता हुआ दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर भागने लगा,जिसे शक के आधार पर रोक लिया गया तथा नाम पता पूछते हुये भागनें का कारण पूछा गया तो उसनें अपना नाम इरफान उर्फ जमाल पुत्र बरसाती उर्फ सलीम निवासी महतिनिया थाना भगवानपुर राष्ट्र नेपाल बताया। जामा तलाशी लेने पर झोले में 01 किग्रा0 50 ग्राम नाजायज चरस बरामद हुआ बरामदगी के आधार पर थाना को0 भिनगा पर मुकदमा पंजीकृत किया।

डीएम ने किया स्टाम्प कमी की जांच

लंकीन प्रसाद वर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती - जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने तहसील भिनगा अन्तर्गत कस्बे में स्थित टन्डवा मोहल्ले में विक्री हुआ मकान एवं चकपिहानी में दो कृषि भूमि जिसमें खेती हो रही है के स्टाम्प का मिलान कर सत्यापन किया। सत्यापन के दौरान तीनो बैनामों में स्टाम्प सही पाया गया।इस दौरान जिलाधिकारी ने स्टाम्प जाँच से सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि किसी भी दशा में स्टाम्प की चोरी कोई न करने पाये, इसके लिए समय-समय पर आकस्मिक जाँच कर मिलान अवश्य किया जाय। जांच के दौरान यदि स्टाम्प की कमी पायी जाती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही भी अमल में लायी जाय।

ग्लाडा ने लुधियाना में तीन अवैध कॉलोनियों को तोड़ा

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना -ग्लाडा के मुख्य प्रशासक सागर सेतिया ने अवैध कॉलोनियों पर विशेष ध्यान देने के साथ अनधिकृत और अनियोजित विकास के प्रति जीरो टॉलरेंस अपनाया था। उन्होंने कहा कि उन लोगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए एक विशेष अभियान भी शुरू किया गया है जो इन अनधिकृत कॉलोनियों में सस्ते भूखंडों की पेशकश की आड़ में निर्दोष निवासियों को लूट रहे थे, जिनमें वैधानिक मंजूरी और सरकारी मानदंडों का अनुपालन नहीं था। अतिरिक्त मुख्य प्रशासक, ग्लाडा-सह-सक्षम प्राधिकारी अमरजीत बैंस, पीसीएस द्वारा जारी आदेशों की शिकायत में; जिला नगर योजनाकार (नियामक) मुकेश चड्ढा के नेतृत्व में ग्लाडा टीम ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट और ग्लाडा की प्रवर्तन टीम जिसमें एसडीई, एटीपी और जेई शामिल थे। आज गांव मेहरबान और गांव कक्का में तीन अवैध कॉलोनियों को उनकी सड़कों, मार्गों और अन्य निर्माणों को ध्वस्त कर दिया जब डेवलपर्स ने नोटिस देने के बावजूद अवैध निर्माण कार्य बंद नहीं किया, तो एक विशेष टीम ने विध्वंस अभियान चलाया। पुलिस अधिकारियों, पीएसपीसीएल और राजस्व विभाग के अधिकारियों के सहयोग से तोड़फोड़ की गई। शुरुआती चरण में ही तेजी से बढ़ती अवैध कॉलोनियों को रोकने के लिए ग्लाडा आगामी हफ्तों में इस तरह के और अभियान चलाने की योजना बना रहा है। ग्लाडा के मुख्य प्रशासक ने आम जनता से अनाधिकृत कॉलोनियों में संपत्ति/भूखंड/इमारतें न खरीदने की अपील की क्योंकि ग्लाडा पानी की आपूर्ति, सीवरेज, बिजली कनेक्शन, स्ट्रीट लाइट आदि जैसी कोई सुविधा प्रदान नहीं करेगा। स्वीकृत और नियमित कॉलोनियों की सूची साथ में उनके स्वीकृत नक्शे ग्लाडा की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, जिन्हें संभावित खरीदार कोई भी संपत्ति खरीदने से पहले जांच सकते हैं। ग्लाडा के अतिरिक्त मुख्य प्रशासक ने कहा कि तोड़फोड़ अभियान चलाने के अलावा, ग्लाडा ने इन अनाधिकृत कालोनियों में भूखंडों का पंजीकरण न करने के लिए संबंधित तहसीलदारों को, इन अनाधिकृत कालोनियों में बिजली कनेक्शन जारी न करने के लिए पीएसपीसीएल को, इसके अलावा ज़िला लुधियाना में अनाधिकृत कालोनियों के डेवलपर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की भी सिफारिश की थी।

दो वांछित अभियुक्त इकौना से गिरफ्तार

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती - इकौना श्रावस्ती प्रभारी निरीक्षक महिमानाथ उपाध्याय थाना इकौना जनपद श्रावस्ती मय हमराह द्वारा वादी की तहरीर पर तहसील इकौना के पास अभियुक्त 1. विक्रम पुत्र छद्दू चौहान नि0 मथुरा बाजार मो0 तकिया थाना ललिया जनपद बलरामपुर 2. हैदर अली पुत्र रज्जब अली नि0 गाजी पुरवा कस्बा इकौना थाना इकौना जनपद श्रावस्ती को गिरफ्तार किया । आपको बता दें कि ग्राम इटौझा लोनियन पुरवा थाना इकौना जनपद श्रावस्ती निवासी एक व्यक्ति ने थाने पर तहरीर दी की उसकी पुत्री को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के संबंध में वादिनी मुकदमा के लिखित प्रार्थना पत्र पर थाना इकौना पर मुकदमा पंजीकृत किया गया जिसमें प्रकाश में आए अभियुक्तगण 1. विक्रम पुत्र छद्दू चौहान नि0 मथुरा बाजार मो0 तकिया थाना ललिया जनपद बलरामपुर 2. हैदर अली पुत्र रज्जब अली नि0 गाजी पुरवा कस्बा इकौना थाना इकौना जनपद श्रावस्ती जो वादी मुकदमा की पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गये थे जिनको थाना इकौना पुलिस द्वारा तहसील इकौना के पास से गिरफ्तार किया गया ।

डीसी सुरभि मलिक ने लुधियाना के लिए सूक्ष्म वन परियोजना का उद्घाटन किया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - हरित आवरण को बढ़ाने, हवा, पानी की रक्षा करने और पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के उद्देश्य से, उपायुक्त सुरभि मलिक ने सोमवार को यहां लाड़ोंवाल बाईपास पर चाहर टोल प्लाजा के पास 1699 पेड़ों की सूक्ष्म वन परियोजना का उद्घाटन किया। इस परियोजना को जिला प्रशासन, नगर निगम, टीम 1699, सिटी नीड्स, एक सोच एनजीओ के साथ-साथ कुछ स्कूलों ने संयुक्त रूप से समर्थन दिया है। सभा को संबोधित करते हुए, उपायुक्त सुरभि मलिक ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य हरा-भरा लुधियाना बनाना है और इस वन परियोजना में गुरु नानक पब्लिक स्कूल और बीसीएम स्कूल के छात्रों द्वारा राज्य की 12 मूल प्रजातियों के 1699 पेड़ लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि वनीकरण के लिए एक विशेष तकनीक अपनाई गई है

जो पौधों की सघन वृद्धि सुनिश्चित करती है और इसलिए बेहतर कार्बन-डाइऑक्साइड अवशोषण सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि

ऐसा लघु वन वास्तव में ग्रीनहाउस गैसों को कम करने और पर्यावरण को स्वस्थ बनाने में एक मील का पत्थर साबित होगा। मलिक ने लोगों से पौधे लगाने का आह्वान किया

और कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए भरपूर प्रयास करना और पौधे लगाकर अगली पीढ़ी को बेहतर भविष्य देना हर किसी का परम कर्तव्य है। सुरभि मलिक ने परियोजना शुरू करने के लिए हितधारकों के प्रयासों की भी सराहना की

और कहा कि यदि हर कोई पौधे लगाकर और उनका उचित रखरखाव सुनिश्चित करके पर्यावरण को बचाने के लिए आगे आता है, तो लुधियाना देश का सबसे हरा-भरा शहर बन जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में शाही इमाम मोहम्मद उस्मान रहमानी लुधियानवी,

एमसी जोनल कमिश्नर जसदेव सिंह सेखों, डॉ. बलविंदर सिंह लाखेवालिया शामिल थे। सर्वधर्म सद्भाव के संदेश के रूप में मुस्लिम समुदाय द्वारा लस्सी और मीठे चावल का लंगर परोसा गया। बीसीएम और गुरु नानक पब्लिक स्कूल सराभा नगर के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

Monsoon season has made you a victim of dengue, so eat these food items for quick recovery

Diet for Dengue It has become a matter of concern even after the dangerous strain of dengue was detected in Delhi recently. The risk of dengue etc. increases considerably during the monsoon season. In such a situation, it is very important to keep yourself safe during this time. If you have accidentally become a victim of dengue, then you can eat these foods to

recover quickly. Due to the rains, there is a problem of water logging in many parts of the country. In such a situation, due to dirty water, the risk of many diseases and infections is also increasing. After the flu that came to Delhi in the capital, now the risk of dengue has increased a lot. The dangerous strain of dengue found here recently has increased the concern of the people. More cases of dengue are being reported this year as compared to previous years. In such a situation, it is important that proper precautions are taken to avoid this disease. Also, even if you have come under the grip of this disease, you can recover from it soon with the help of the right diet. Today, in this article, we will tell you about some such food items, with the help of which you can recover quickly from dengue. Papaya leaves- Papaya leaves are a traditional remedy for dengue fever. The leaves are rich in vitamins A, C and K, which may help boost the immune system and improve blood circulation. You can make juice or tea from papaya leaves or add the leaves to your food. Coconut water- Coconut water is a natural electrolyte drink, which is refreshing and hydrating. It is a good source of vitamins C and K as well as potassium. Potassium is important for maintaining fluid balance in the body. Pomegranate- Pomegranate is a good source of vitamins C, K and A as well as antioxidants. Antioxidants can help protect the body from damage caused by free radicals. Pomegranate may also help boost the immune system. Broccoli - Broccoli is a good source of vitamin K, which is essential for blood clotting. It is also a good source of fiber, which can help keep you healthy. Spinach is a good source of vitamins A, C and K as well as iron. Iron is important for carrying oxygen throughout the body. Spinach is alsoa good source of fiber. Yogurt- Yogurt is a good source of protein and calcium. Protein is essential for repairing damaged tissues and calcium is important for bone health. Yogurt is also a good source of probiotics, which are beneficial bacteria that can help improve gut health. Oatmeal – Oatmeal is a good source of carbohydrates, which can provide energy. It's also a good source of fiber, which can help keep you regular.

If you want to strengthen your nerves, then include these things in your diet, many diseases will also go away

The problem of weakness in the nerves can affect the circulation of blood throughout the body. Health experts say, people of all ages need to keep taking measures to keep it healthy. There are many conditions that can cause weakness in your nerves. An accident, fall, or sports injury can cause tendons to become stretched or damaged. Apart from this, certain medical conditions such as diabetes, Guillain-Barre syndrome and carpal tunnel syndrome can also increase the risk of nerve weakness or related problems. Health experts say that keeping the lifestyle and diet right is very important to make the nerves strong. Researchers found that if you consume omega-3 fatty acids, it can be very beneficial for the strength of the nerves. The requirements of this nutrient can be easily met through diet. Omega-3 strengthens the nerves – in the study done to know how omega-3 can be beneficial for our body Researchers have found that it may be of benefit to you in reducing nerve problems. The team of scientists found that omega-3 polyunsaturated fatty acids are helpful in the development and maintenance of healthy nerves, which is beneficial when consumed to strengthen nerves. This nutrient can be easily replenished by including a few things in the diet. Chia and Flax Seeds – Incorporating certain types of seeds into the diet can be particularly beneficial for obtaining omega-3 fatty acids, including chia And flax seeds are key. Chia seeds are known to supply fiber, it is also beneficial for omega-3. Similarly, flax seeds are an excellent source of alpha linolenic acid. Including flax seeds in your diet can also help improve digestive health, reduce the risk of heart disease, and keep skin and hair healthy. Walnuts are also beneficial for health - walnuts are very nutritious and contain fiber. - Rich in Omega-3. Nutrients like copper, manganese and vitamin-E are also found in large quantities in them. Walnuts have also been found to reduce the risk of brain and heart diseases. Both physical and mental health can be improved by including walnuts in the daily diet. Benefits can be obtained from soybeans- soybeans are a good source of fiber and vegetable protein. From this, the amount of omega-3 required by the body can also be obtained. Soybeans are also a good source of other nutrients, including riboflavin, folate, vitamin K, magnesium and potassium. Consumption of soybean can be beneficial to keep the nerves healthy. Note: This article has been prepared on the basis of information collected from medical reports.

Cancer death rate is higherin women than in men, most deaths due to this cancer

Cancer is one of the leading causes of death globally. Every year millions of people die due to various types of cancer all over the world. Prostate in men and ovarian-breast cancer in women are the most commonly reported cases, which can be a problem that increases the risk of death by many folds. Cancer is also a serious threat in India, about which health experts advise all people to be careful. To understand the reasons for the rising death rate from cancer, the team of researchers conducted a study in which many shocking things came to light. In the report of the study, scientists said, the risk of death from cancer is being seen more in women than in men. In India, the death rate from cancer has decreased by 0.19 percent annually in men, but it has increased by 0.25 percent in women. The increased risk in women may be alarming and needs to be taken care of by all. Increased mortality in women? - This study was conducted to find out the risk of cancer in Indian population. Of the 23 types of cancer (which caused 12.85 million deaths between 2000 and 2019, the research was conducted), women have a higher recorded risk of death due to the disease. In the study published in JCO Global Oncology, a journal affiliated with the American Society of Clinical Oncology, experts have said that we need to be alert about the risks of this serious disease. Pancreatic cancer has the highest risk of death – according to the study, 2000 to 2019 Among the cancers that account for the highest number of deaths, cancers of the lung, breast, colorectum, lymphoma, multiple myeloma, gall bladder, pancreas, kidney and mesothelioma are prominent. The death rate due to pancreatic cancer is highest among men and women at 2.7 percent. The annual increase in mortality due to this cancer was 2.1 per cent in men and 3.7 per cent in women. Cancer and mortality risk – The experts said the death rates from stomach, oesophagus, leukemia and melanoma cancers have declined. The study found that cancer death rates were higher for men than women for all common cancers except for thyroid (0.6) and gall bladder (0.6). The death rate for cancer of the larynx (throat) was almost 6 times higher in men than in women, followed by lung (2.9), melanoma (2.5), bladder (2.3), mouth and oropharynx (2.2), and liver (1.9) cancers. There were cases of. What do the researchers say? The study has shown that cancer death rate among men in India has shown a slight decrease over time, which is a good sign, but the increase in women can be serious. People need to be careful about cancer prevention measures. Cancer is a global health threat, we need to be very careful about its risks. Note: This article has been prepared on the basis of information collected from medical reports.

Nora was advised to date a popular actor? Big disclosure of actress about Bollywood PR

Actress Nora Fatehi has carved a special place for herself in Bollywood. Apart from this, he has also worked in South Industry. Nora is mainly known for her dance. He gained a lot of popularity with his song 'Dilbar' in the film 'Satyamev Jayate'. The actress made her Hindi cinema debut with the film 'Roar: Tigers of the Sundarbans' (2014). Apart from this, she has

also been a part of the 9th season of the popular reality show Bigg Boss. The actress makes fans go crazy with her scintillating dance moves and beauty. Nora has appeared in many hit songs and music videos, after watching which the audience lost their hearts on her every act. Where the actress is in the limelight these days for her upcoming film. So on the other hand, the actress has made a shocking disclosure about Bollywood PR. While interacting with a media outlet, she said, "One thing that I have been told constantly is that, you know, people should date, should date celebrities and famous actors and should date for PR. Needed I didn't listen to any of them. I am glad that I did. I make the rules and work on my own terms. I do not have success because of any other person or any popular actor. This video of Nora is becoming increasingly viral on social media. After watching this interview, some netizens are trying to troll him, while some are also seen in his support. One user wrote, "She didn't date the actor but went straight to the owner," while another user commented, "She is right and has come a long way." A third user wrote, "Only dated Angad Bedi haha and now after Sukesh married Bhushan Kumar has reached." On the work front, Nora Fatehi was last seen in Ayushmann Khurrana's 'An Action Hero'. Was seen. He did a small role in the song 'Jehda Nasha'. Apart from this, the actress will be seen in the upcoming film 'Madgaon Express'.

This is how Shahrukh-Kajol's poster scene was shot in DDLJ, after years the actress revealed

There are many such films in Hindi cinema which are cult classics. There is no break in those

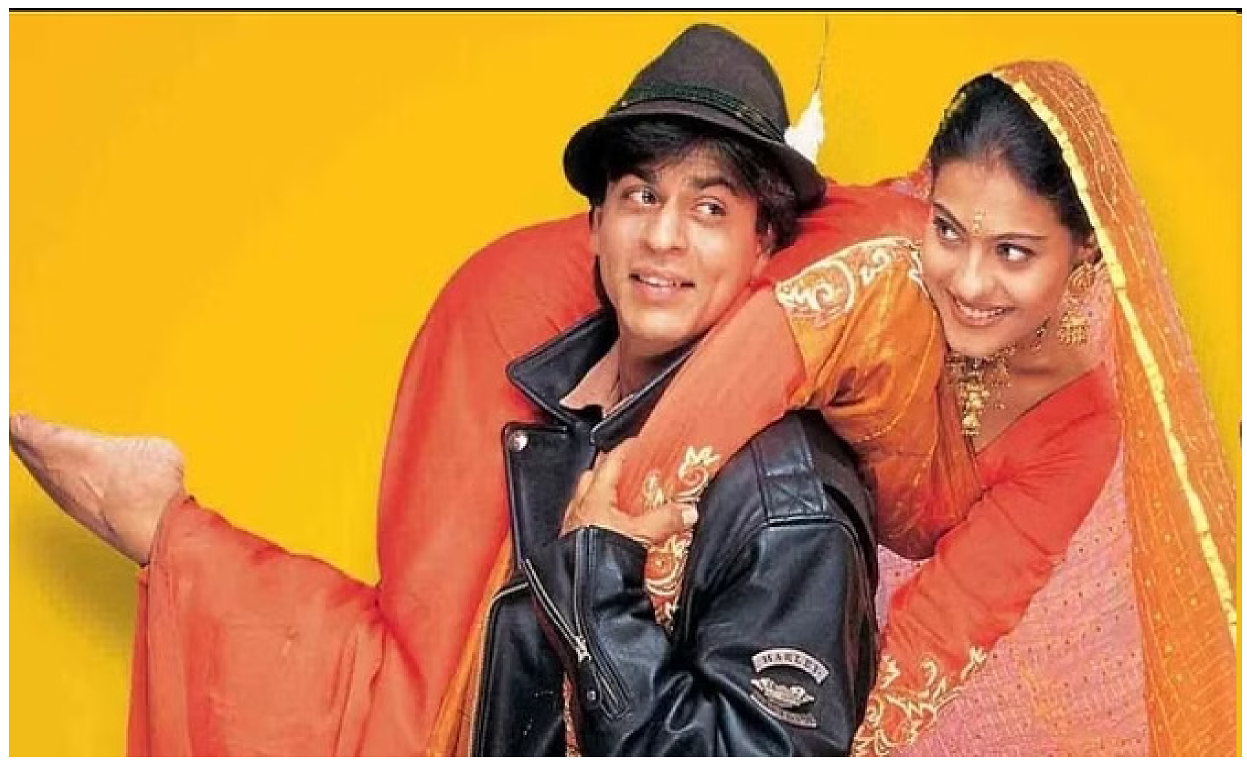

films. Even if you see them even today, they look like new, something similar is the film Dilwale Dulhania Le Jayenge. The pair of Shahrukh Khan and Kajol in this film is still very much liked. This film is also very good. This film is continuously winning the hearts of the audience. Maratha Mandir is also included in the list of longest running films till date. Almost every scene and dialogues of this film have been remembered by the audience. Now recently Kajol has talked about this film. Fans are eager to see Shahrukh and Kajol on screen. Recently, Kajol has told how she shot for the poster of Dilwale Dulhania Le Jayenge, in which Shahrukh carried Kajol on his shoulder. During this conversation, Kajol was shown some photographs and had to express what came to her mind after seeing those photographs. One of these was the poster of DDLJ. Reacting to this, Kajol said that seeing this, the first thing that comes to her mind is how did she reach that situation. Recalling that scene, Kajol said, 'Poor Shahrukh is standing with me on his shoulder. I felt bad for him. It was an attack on his manhood that I asked him if you could do that. Then Shahrukh said to Kajol, 'Don't worry. I am strong.'Kajol said that she was in the studio of photographer Gautam Rajadhyaksha when she did this shoot. Kajol said, 'Shah Rukh lovingly made me sit on his shoulder and did not make me feel heavy at all.' He joked that in the poster and at that time, it looked all good and fun, though later Shah Rukh must have had a frozen shoulder. On the work front, Shah Rukh and Kajol have worked together not only in DDLJ but also in Baazigar, Karan-Arjun. They have worked together in films like Kuch Kuch Hota Hai, Kabhi Khushi Kabhie Gham, Dilwale and many more.

Mumtaz entered the industry at the age of just 16, became top actress from junior artist

If we talk about the beautiful and legendary actresses of Hindi cinema, then how can we forget the evergreen actress Mumtaz. The actress has carved a niche for herself in the industry with her powerful performances. Today i.e. on July 31, Veteran actress Mumtaz is celebrating her birthday. On the basis of her excellent acting, she rules the hearts of cinema lovers. The actress entered the acting world at the age of just 12. Mumtaz used to come from film background. The actress's mother and aunt also worked as junior artists in films. In the initial days, he got some minor roles in films. In those days no actor in the industry wanted to work with him. After a lot of struggle, Mumtaz got her first chance as a lead actress in Dara Singh's film 'Faulad'. Phir Kya Tha paired on screen and after that the actress never looked back. After this film, she did 16 films with Dara Singh, out of which 12 proved to be hits at the box office. During her career, Mumtaz worked with veteran Hindi cinema actor Rajesh Khanna, both of whom were considered hits and their films were well-liked. Both the actors worked together in films like 'Do Raaste', 'Saccha-Jhootha', 'Aapki Kasam', 'Dushman', 'Roti'. During an interview, Mumtaz said about their success That Dara Singh had a big hand in furthering his career. Giving this credit to the actor, he had said that because of working with him, I got good films. He had told that when I became famous, all those stars who had earlier refused to work with me wanted to work with me. The names of Shammi Kapoor, Sanjeev Kapoor, Jitendra and Devanand are included in this list. Mumtaz Bala's beauty is crazy about her beauty even today. But at that time he had millions of fans, including the names of actors like Rajesh Khanna, Shammi Kapoor. Actor Shammi Kapoor was so much in love with her that the actor

wanted to marry her. The relationship between both of them was very fruitful. But the relationship between the two could not reach the wedding hall, because Shammi Kapoor had a condition that after marriage, Mumtaz would not work in films. However, Mumtaz was not ready to accept this, due to which their relationship ended. Went. After this, the actress married Mayur Madhvani, a well-known businessman in 1974. The news of their marriage left many heartbroken, including superstar Rajesh Khanna. After marriage, Mumtaz settled in Britain with her husband. During her career, Mumtaz worked in hit films like Toyya, Roti, Aandhi Aur Toofan, Jawan Mard, Rustme Hind and Do Raaste. Mumtaz was awarded the Filmfare Award for Best Actress for her brilliant performance in the film Toyya.